विद्या भारती संवाद

सा विद्या या विमुक्तये

मई 2023 वैशाख-ज्येष्ठ | विक्रमी सं. 2080

विद्या भारती के केंद्रीय कार्यालय तथा प्रशिक्षण एवं अनुसंधान केंद्र भवन का शिलान्यास

विद्या भारती का हर विद्यालय समाज में परिवर्तन करने वाला केंद्र बने : सुरेश जोशी (भैय्याजी)

संस्कृति बोधमाला पुनर्लेखन अखिल भारतीय कार्यशाला

जीवन व्यवहार में आए संस्कृतिः श्री अवनीश भटनागर

छत्रपति शिवा जी महाराज के राज्यारोहण के 350वें वर्ष के उपलक्ष्य में मा. सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबाले का वक्तव्य

विद्या भारती के केंद्रीय कार्यालय तथा प्रशिक्षण एवं अनुसंधान केंद्र भवन का शिलान्यास

विद्या भारती का हर विद्यालय समाज में परिवर्तन करने वाला केंद्र बने : सुरेश (भैय्याजी) जोशी

दिल्ली | विद्या भारती का हर विद्यालय समाज में परिवर्तन करने वाला केंद्र बने। विद्या भारती का हर छात्र व अभिभावक परिवार का भाग है। परिवार के प्रत्येक सदस्य की भूमिका सुनिश्चित करना व क्रियान्वित करना ये हम सभी का दायित्व है। उपरोक्त शब्द गत 30 मई 2023 को विद्या भारती के केंद्रीय कार्यालय तथा प्रशिक्षण एवं अनुसंधान केंद्र भवन के शिलान्यास अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरकार्यवाह एवं अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य मा. सुरेश (भैय्याजी) जोशी ने कहे। दीनदयाल मार्ग, आई.टी.ओ. के निकट, नई दिल्ली स्थित इस प्रस्तावित भवन में विद्या भारती का प्रशिक्षण व अनुसंधान का कार्य चलेगा।

कार्यक्रम का प्रारम्भ हवन यज्ञ से हुआ। तत्पश्चात पूजित शिलाओं को भूखंड में स्थापित कर शिलान्यास सम्पन्न किया गया। इस कार्यक्रम में श्री सुनील आंबेकर अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, श्री कश्मीरीलाल अखिल भारतीय संगठक स्वदेशी जागरण मंच सहित विद्या भारतीय के अखिल भारतीय अधिकारी श्री गोबिंद महंत अखिल भारतीय संगठन मंत्री, श्री यतीन्द्र शर्मा व श्री श्रीराम आरावकर सह संगठन मंत्री, श्री अवनीश भटनागर महामंत्री, श्री राजेन्द्र खेतान उपाध्यक्ष, श्री शिवकुमार अखिल भारतीय मंत्री, क्षेत्रीय व प्रांतीय पदाधिकारी एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे।

संस्कृति बोधमाला पुनर्लेखन अखिल भारतीय कार्यशाला का आयोजन

जीवन व्यवहार में आए संस्कृतिः श्री अवनीश भटनागर

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान में संस्कृति बोध परियोजना विषय को लेकर तीन दिवसीय अखिल भारतीय कार्यशाला का आयोजन 20 से 22 मई तक किया गया। विद्या भारती के राष्ट्रीय महामंत्री श्री अवनीश भटनागर ने संस्कृति बोध परियोजना पुस्तक पुनर्लेखन कार्यशाला के महत्वपूर्ण बिन्दुओं को समझाया। उन्होंने कहा कि संस्कार निर्माण संस्कृति के आधार के बिना संभव नहीं है। जीवन मूल्य हमारी संस्कृति के मूल तत्व हैं। आज नए स्वरूप में चीजों को नई पीढ़ी के सामने रखने की नितान्त आवश्यकता है। कुछ प्रश्नों के उत्तर याद कर लेना मात्र संस्कृति नहीं है। संस्कृति जीवन व्यवहार में आए। यदि यह जीवन व्यवहार में नहीं आ रही तो संस्कृति के कुछ तथ्यों को याद करने को हम बोध मान रहे हैं तो हमें अपनी सोच बदलने की आवश्यकता है। हमारे विचार करने का आधार यहां से प्रारंभ होना चाहिए। पुस्तक पुनर्लेखन का मुख्य उद्देश्य भारतीय संस्कृति के बारे में नई पीढ़ी को अवगत कराना है।

आठ प्रदेशों से प्रतिनिधियों की रही प्रतिभागिता

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान के निदेशक डॉ. रामेन्द्र सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से भारतीय ज्ञान परम्परा विद्यार्थियों तक पहुंचे, इस हेतु पाठ्यक्रम का निर्माण किया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी देश बोध, समाज बोध, संस्कृति बोध एवं अध्यात्म बोध की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष डॉ. ललित बिहारी गोस्वामी, सचिव श्री वासुदेव प्रजापति विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में आठ प्रदेशों से 27 प्रतिनिधि शामिल रहे। दिल्ली, बिहार, पंजाब हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश से संस्कृति बोध परियोजना के विषय संयोजक श्री दुर्ग सिंह राजपुरोहित, श्री राघवेन्द्र शुक्ल, श्री अजय तिवारी, श्री राजकुमार, श्री अंबिकादत्त कुंडल, श्री विवेक नयन, श्री यशपाल, श्री गोपाल माहेश्वरी मौजूद रहे।

नवीकृत कम्प्यूटर लैब का उद्घाटन

दिल्ली | आशा लखोटिया सरस्वती बाल मंदिर नारायणा विहार में नवीकृत कम्प्यूटर लैब का उद्घाटन किया गया। यह कार्य स्व. डा. बीबीपीएस गोयल (पूर्व अध्यक्ष, आ.ल.सरस्वती बाल मन्दिर एवं संस्थापक-बाल स्नेह हेल्थ केयर फाउंडेशन) की स्मृति में उनकी पारिवारिक संस्था "बाल स्नेह हेल्थ केयर फाउंडेशन" के सहयोग से सम्पन्न हुआ।

वैचारिक लेख

छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्यारोहण का 350वाँ वर्ष

छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्यारोहण के 350वें वर्ष के उपलक्ष्य में मा. सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबाले का वक्तव्य

पानीपत (हरियाणा) | छत्रपति शिवाजी महाराज भारत के उन महान व्यक्तित्वों में एक हैं, जिन्होंने समाज को सैकड़ों वर्षों की दासता की मानसिकता से मुक्त कर समाज में आत्मविश्वास व आत्मगौरव का भाव जगाया। ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी को उनका राज्याभिषेक हुआ तथा हिन्दवी स्वराज्य' की स्थापना हुई। इस वर्ष हिन्दवी स्वराज्य स्थापना का 350वाँ वर्ष प्रारम्भ हो रहा है। महाराष्ट्र सहित देशभर में इस निमित्त अनेकानेक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। रा. स्व. संघ इस पावन अवसर पर छत्रपति शिवाजी महाराज का पुण्यस्मरण करते हुए स्वयंसेवक तथा सभी समाज घटकों का आहवान करता है कि ऐसे सभी आयोजनों में भाग लेकर हिन्दवी स्वराज की स्थापना जैसी युगप्रवर्तक घटना का पुनःस्मरण करें।

छत्रपति शिवाजी महाराज का जीवन अद्वितीय पराक्रम, रणनीतिक कुशलता, युद्ध-शास्त्र की मर्मज्ञता, संवेदनशील, न्यायपूर्ण व पक्षपातरहित प्रशासन, नारी का सम्मान प्रखर हिंदुत्व जैसी कई विशेषताओं से परिपूर्ण रहा। विपरीत परिस्थिति का सामना करते समय भी अपने ध्येय तथा ईश्वर पर श्रद्धा व विश्वास, माता पिता एवं गुरु जनों का सम्मान, अपने साथियों के सुख-दुःख में साथ निभाने, समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने के कई उदाहरण उनके वन में पाए जाते हैं। बाल्यकाल से ही अपने व्यक्तित्व से उन्होंने अपने साथियों में स्वराज्य स्थापना हेतु प्राण न्योछावर करने की प्रेरणा जगाई, जो आगे चलकर भारत के अन्यान्य प्रदेशों के देशभक्तों के लिए भी प्रेरणादायक रही। उनके शरीर के शांत होने के पश्चात् भी सामान्य समाज ने दशकों तक एक सर्वंकष आक्रमण का यशस्वी प्रतिकार किया, जो इतिहास में अनोखा उदहारण है। छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा बाल्यकाल में लिये गए स्वराज्य स्थापना के संकल्प का उद्देश्य मात्र सत्ता प्राप्ति नहीं अपितु, धर्म एवं संस्कृति के रक्षा हेतु 'स्व' आधारित राज्य की स्थापना करना था।

अतः उन्होंने उसका अधिष्ठान 'यह राज्य स्थापना श्री की इच्छा है' इस भाव से जोड़ा था। स्वराज्य स्थापना के समय अष्टप्रधान मंडल की रचना, 'राज्यव्यवहार कोष' का निर्माण और स्वभाषा का उपयोग, कालगणना हेतु शिव-शक का प्रारम्भ, संस्कृत राजमुद्रा का उपयोग, आदि कार्यकलाप 'धर्मस्थापना' के उद्देश्य से स्थापित 'स्वराज्य' को स्थायित्व देने की दिशा में ही रहे। आज भारत अपनी समाजशक्ति को जागृत करते हुए अपने 'स्व' के आधार पर राष्ट्र निर्माण के पथ पर आगे बढ़ रहा है, भारत के 'स्व' आधारित राज्य की स्थापना के उद्देश्य से चली छत्रपति शिवजी महाराज की वनयात्रा का स्मरण अत्यंत प्रासंगिक एवं प्रेरणास्पद है।

देवगिरी प्रांत आचार्य प्रशिक्षण वर्ग

जलगांव । विद्या भारती देवगिरी प्रांत आचार्य प्रशिक्षण वर्ग 3 मई से 13 मई तक प्रताप कॉलेज अमलनेर, जलगांव (महाराष्ट्र) में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण वर्ग में शिशुवाटिका वैदिक गणित के 26, संगीत के 06, योग के 05, बालिका शिक्षा के 09 सहित 236 आचार्य प्रशिक्षण वर्ग में शामिल रहे। अखिल भारतीय मंत्री श्री मधुश्री साव, अखिल भारतीय वैदिक गणित संयोजक श्री देवेंद्र देशमुख, क्षेत्रीय मंत्री श्री शेषाद्री डांगे, संगठन मंत्री श्री शैलेश जोशी, प्रांत अध्यक्ष श्री विवेक काटदरे, प्रांत मंत्री श्री प्रकाश पोतदार आदि ने प्रशिक्षण वर्ग में आचार्यों का मार्गदर्शन किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन अभ्यास वर्ग

ज्ञान के साथ सामाजिक व राष्ट्रीय दायित्व बोध जरूरीः श्री डोमेश्वर साहू

हाथरस । विद्या भारती ब्रज प्रदेश के तत्वावधान में सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज सिकंदरा राव (हाथरस) में 29 से 30 अप्रैल तक तीन दिवसीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन अभ्यास वर्ग का आयोजन किया गया। वर्ग का उद्घाटन करते हुए विद्या भारती पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री डोमेश्वर साहू ने कहा कि विद्या के प्रयोग में ज्ञान के साथ सामाजिक व राष्ट्रीय दायित्व बोध बच्चों में हो, इसके लिए विद्या भारती प्रयोग भी करती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि आवासीय विद्यालयों में भोजन की थाली के साथ गिलास नहीं रखते। यह जल संरक्षण हेतु एक प्रयोग है। पर्यावरण अब राष्ट्रीय नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय विषय बन चुका है। उन्होंने परिवार प्रबोधन, वृक्षारोपण एवं आधारभूत विषयों पर भी प्रकाश डाला।

प्रशिक्षण संयोजक श्री विपिन राठी ने परिणाम जन्य अधिगम, योग्यता आधारित अधिगम, अनुभवजन्य अधिगम, आनंदपूर्ण अधिगम, खिलौना आधारित अधिगम एवं अधिगम सामग्री की जानकारी दी। शिशु शिक्षा समिति ब्रज प्रदेश के निरीक्षक श्री राम किशोर श्रीवास्तव ने कहा कि हमें बच्चों में सकारात्मक सोच विकसित करके भारतीय चिंतन और भारतीय ज्ञान परंपरा को विषय के साथ जोड़ना चाहिए। सह प्रांत शिक्षण प्रमुख श्री शशांक तिवारी ने जिज्ञासा समाधान में करणीय कार्यों की जानकारी दी।

एलए विश्वविद्यालय मथुरा के निदेशक एवं प्रो वाइस चांसलर डॉ. अनूप गुप्ता ने बोध कथाओं के माध्यम से विषय को प्रस्तुत करते हुए कहा कि बच्चे कभी वह नहीं करते जो आप कहते हैं, जबकि वे वह करते हैं जो वह आपको करते हुए देखते हैं।

उन्होंने कहा कि मास्टर ट्रेनर का कार्य है दूसरे व्यक्ति को समझाना। विद्या भारती ब्रज प्रदेश के शिक्षण-प्रशिक्षण प्रमुख डॉ. अजय शर्मा ने विषय की प्रस्ताविकी एवं प्रशिक्षण योजना का प्रस्तुतीकरण किया।

भारतीय शिक्षा समिति ब्रज प्रदेश के प्रदेश निरीक्षक श्री होड़िल सिंह ने व्यावसायिक शिक्षा एवं सामाजिक सरोकार को विद्या भारती के लक्ष्य से जोड़ते हुए कहा कि विद्या भारती राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली का विकास करेगी। प्रधानाचार्य एवं समन्वयक सीबीएसई डॉ. अनिल यदुवंशी ने School Based Assessment (SBA 360)° के बारे में जानकारी दी। प्रांतीय संगठन मंत्री श्री हरी शंकर ने कहा कि विषय को बहुत सरल बनाना है। उन्होंने स्थानीय भाषाओं के ज्ञान पर जोर दिया और कहा कि टोली में ऐसे लोग जुड़ें कि विचार का प्रवाह न रुके।

संस्कार केंद्र संचालक आचार्यों का प्रबोधन

नागौर (राजस्थान) । विद्या भारती विद्यालय शारदा बाल निकेतन उच्च माध्यमिक नागौर में पूर्व छात्र परिषद ने संस्कार केंद्र संचालक आचार्यों के प्रबोधन कार्यक्रम का आयोजन किया। पूज्य संत हरिशरण महाराज ने आचार्यों को तन, मन, धन से सेवा कार्यों में लगने का आह्वान किया। इस अवसर पर परिषद के क्षेत्रीय संयोजक श्री शरद कुमार जोशी, स्थानीय परिषद के संरक्षक श्री पंकज जोशी, प्रधानमंत्री पुरस्कार से सम्मानित पूर्व छात्रा रेणुका पुरोहित आदि उपस्थित रहे।

विद्या भारती महाकौशल का प्रदेश की प्रवीण सूची में उत्कृष्ट प्रदर्शन

महाकौशल | शिक्षा एक गतिशील एवं चैतन्यमयी वैचारिक प्रक्रिया है जो बालक के आचार, विचार, व्यवहार एवं भावना में ऐसा परिवर्तन ला देती है जिससे न केवल उसकी सुप्त प्रतिभाओं एवं उसमें सद्गुणों का विकास होता है अपितु बालक घर का दीप एवं जग का दिवाकर बनकर समाज के लिये एक वरदान सिद्ध हो जाता है। इसी में शिक्षण प्रक्रिया की सार्थकता निहित रहती है।

शिक्षा को वन की प्रयोगशाला कहा गया है जिसके समन्वय से छात्र विभिन्न संस्कारों को समाहित कर तन, मन, बुद्धि, आत्मा का समन्वित विकास करता है और श्रेष्ठ या उच्च बनने के लिये दिन रात मेहनत करता है स्वाध्याय करता है, कोचिंग करता है अर्थात् अध्ययन की गंगा में डूब कर रसमय हो जाता है। आज हमारी शिक्षा प्रणाली में समग्रता का अभाव सा दिखता है परंतु छात्र के स्तरानुसार प्राथमिक, माध्यमिक, उच्चतर शिक्षा के स्तर बनाये गये हैं। स्मरण है कि कुछ वर्ष पहले प्राथमिक स्तर पर कक्षा पांचवी एवं माध्यमिक स्तर पर कक्षा आठवीं की बोर्ड परीक्षा हुआ करती थी। छात्र उच्चतम अंक लाने के लिये अथक मेहनत करते थे और जिला की सम्भाग की सूची में मेरिट में स्थान लाते थे। आचार्य अपने छात्रों को मेरिट में लाने के लिये प्रातः 04:00 बजे घर घर छात्रों को जगाते थे, स्कूल में प्रतिदिन अतिरिक्त कक्षा लेते थे। महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तरी का संग्रह करते थे, घर में संपर्क करते अर्थात रात दिन कार्य में लगे रहते थे। परंतु आज जब कक्षा दसवीं एवं बारहवीं की परीक्षा बोर्ड की होती है उसमें भी हम अछूते नहीं है। प्रतिवर्ष माध्यमिक शिक्षा मण्डल से जारी मेरिट सूची साक्षी है कि प्रतिवर्ष विद्याभारती सरस्वती शिक्षा परिषद द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर के भैया बहिन माध्यमिक शिक्षा मण्डल की सूची में अपना प्रभाव बनाए हुये हैं।

सर्वाधिक मैरिट सूची में स्थान पाने के पीछे अध्ययन से जो वैशिष्ट सामने आये है वह निम्नलिखित है:-

01. छात्र की विद्यालय में नियमित उपस्थिति।
02. शत प्रतिशत अंक लाने के लिये दृढ संकल्प की भावना।
03. विषयाचार्यों द्वारा मन से अध्यापन कार्य
04. पढाई गई विषय सामग्री की घर में पुनरावृत्ति।
05. नोट्स तैयार करना।
06. स्मरण शक्ति बढ़ाने हेतु स्वाध्याय करना।
07. टीवी, मोबाइल, कम्प्यूटर से दूरी।
08. अध्ययन कार्य योजनाबद्ध समय सारिणी के अनुसार करना।
09. आचार्य का सतत् सम्पर्क एवं सहयोग।
10. मेधा मास- जनवरी एवं फरवरी माह को मेधा मास के रूप में मनाते हैं। विद्यालय स्तर पर की विशेष कक्षाएं प्रारंभ की जाती है। छात्रों एवं अभिभावकों की काउंसलिंग की जाती है।
11. जिले स्तर पर मेधावी छात्रों का पांच दिवसीय वर्ग लगाते हैं। इसमें विषय विशेषज्ञ दर्शक जाता है। इस वर्ग में सम्मिलित होने के लिए प्रत्येक विद्यालय से 5 छात्रों का चयन किया जाता है।
12. बोर्ड के ब्लूप्रिंट के आधार पर मॉडल प्रश्न पत्र बनाकर अभ्यास कराया जाता है।
13. रात्रि कालीन कक्षाएं लगाई जाती है। इसमें आचार्य अभिभावक एवं सभी की भागीदारी रहती है।
14. उपर्युक्तानुसार प्रयोग पूरे वर्ष भर चलते हैं।

इस प्रकार माध्यमिक शिक्षा मण्डल की प्रावीण्य सूची में ही नहीं अपितु सेवा के क्षेत्र में प्रशासनिक क्षेत्र में, राजनैतिक क्षेत्र में, उच्च पदों पर पहुँच कर विद्याभारती सरस्वती शिशु मंदिर का नाम गौरवांवित कर रहे हैं।

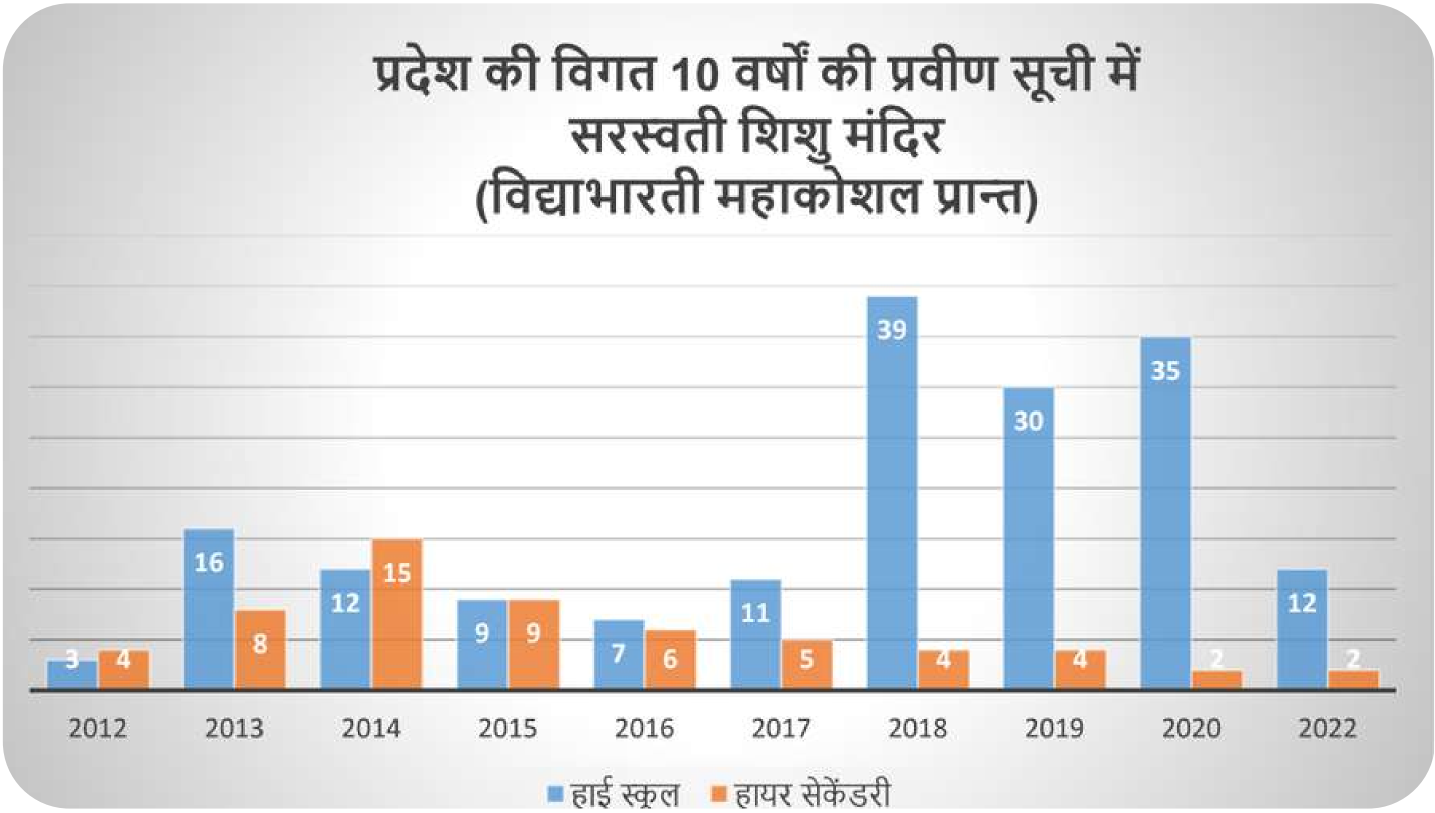

व्यापक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

विद्या भारती सिक्किम

गगंटोक | प्रांतीय स्तर का व्यापक स्वास्थ्य शिविर रानीपुल सरस्वती विद्या निकेतन, एक गैर सरकारी संगठन, विद्या भारती सिक्किम, गंगटोक में आयोजित किया गया। स्वास्थ्य शिविर परियोजना का मुख्य कार्य रोगियों की बीमारियों और संक्रामक रोगों के लिए विशिष्ट उपचार, सामान्य स्वास्थ्य देखभाल, समस्याओं का प्रबंधन, दीर्घायु और वन की गुणवत्ता की पहचान करना था।

गगंटोक नगर पालिका अंतर्गत रानीपुल यूनिट के पार्षद द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान, गंटोक के अतिरिक्त निदेशक डॉ. श्री प्रकाश एवं विशिष्ट अतिथि आदरणीय आशा छेत्री उपस्थित थे।

चिकित्सा दल जिन्होंने स्वास्थ्य शिविर संचालन के साथ-साथ रोग जांच, उपचार और दवा वितरण में सहयोग किया।

डॉ. प्रभात मोक्तान, डेंटिस्ट - डॉ चोपेल डोमा भूटिया, डॉ. डिंपल सिंह, नर्स हरि माया नेपाल, नर्स कृष्णा सुब्बा, इसके साथ क्षेत्रीय आयुर्वेद संस्थान, गंगटोक से सरिगा के डॉक्टर। डॉ. अनिमेष सेन, डॉ. सुमित लता, डॉ. श्री लक्ष्मी, डॉ देवरता चक्रवर्ती, 128 अभिभावकों एवं अन्य मरीजों द्वारा 75 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, कुल 203 रोग एवं सामूहिक रूप से क्षेत्र में सामान्य रोगों का समुचित उपचार कर उन्मूलन किया गया।

जांच में बड़ी संख्या में पाया गया, खासकर मधुमेह, रक्ताल्पता, रक्तचाप का असंतुलन और मोटापे की बीमारियां।

उद्घाटन समारोह में विद्या भारती सिक्किम के अध्यक्ष श्री चुल्टिम भोटिया, डॉ. प्रभात मोक्तान, डॉ. श्री प्रकाश, डॉ. चौपेल डोमा भूटिया ने स्वास्थ्य जागरूकता, स्वास्थ्य वन, खान-पान, शारीरिक संतुलन, योग के महत्व का विस्तृत वर्णन किया। विद्या भारती सिक्किम प्रांत के कार्यालय प्रमुख श्री सूर्य ढिटाल द्वारा संचालित कार्यक्रम संगठन की महासचिव, स्कूल संचालन समिति के अध्यक्ष सुश्री चुंगचुंग भोटिया, श्री विजय कुमार शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ उद्घाटन सत्र का समापन किया।

प्रशासनिक वर्ग कार्यशाला में दी विविध विषयों की जानकारी

दिल्ली । विद्या भारती दिल्ली प्रान्त की ओर से गोवर्धन लाल त्रेहन सरस्वती बाल मंदिर नेहरू नगर में चार दिवसीय प्रधानाचार्य-लिपिक प्रशासनिक वर्ग कार्यशाला का आयोजन किया गया। संगठन मंत्री श्री रवि कुमार ने विद्या भारती संगठन में रीति-नीति के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला में विशेष रूप से बजट/अंकेक्षण, प्रशासनिक कार्य में आने वाली कठिनाइयों, आचार संहिता/अवकाश के नियम एवं सामान्य प्रशासन, स्वप्रबंधन, स्वविकास एवं स्वमूल्यांकन, एकाउंटिंग, टैली, प्रभावी डाक्यूमेंटेशन, प्रशासनिक कौशल, NEP-NCF, ECCE, गूगल फार्म क्रिएशन, व्यावसायिक बोध एवं समय प्रबंधन, ERP (OPEN COMPAS SOFTWARE), SOP, ERP Voluntary Contribution & Taxation आदि पर विशेष रूप से चर्चा की गई।

श्री सुरेन्द्र अत्री उपाध्यक्ष, विद्या भारती, उत्तर क्षेत्र ने प्रशासनिक कौशल विषय पर विशेष मार्गदर्शन किया।

प्रांत उपाध्यक्ष श्री रामगोपाल, हिन्दू शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्री अरुण कृष्ण शर्मा, श्रीमती रचना ढांडा प्रांत मंत्री सहित विभागों के अध्यक्ष मंत्रीयों की विषेय उपस्थिति रही।

कार्यशाला में 34 विद्यालयों से 87 प्रशासनिक कार्यकर्ता (प्रधानाचार्य/विद्यालय-प्रमुख/उप-प्रधानाचार्य/ लिपिक व मुख्याध्यापक) उपस्थित रहे।

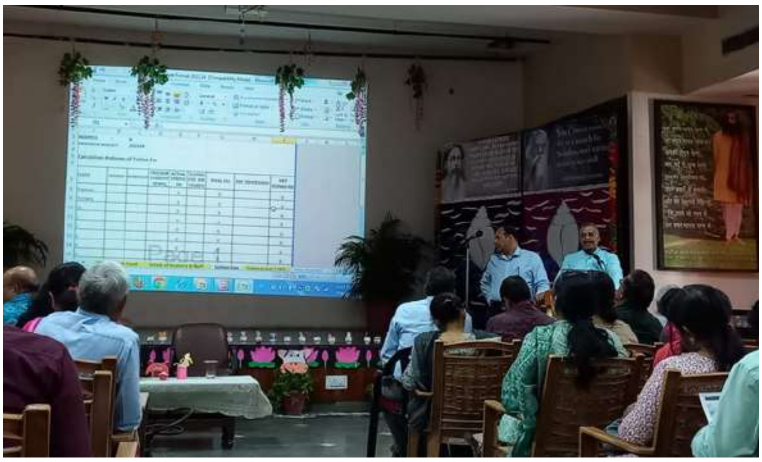

संस्कार केंद्र संचालक प्रशिक्षण वर्ग, चित्तौड़ 4 से 9 मई 2023 संपन्न।

जे एस एस विद्या भारती नागालैंड की परियोजना

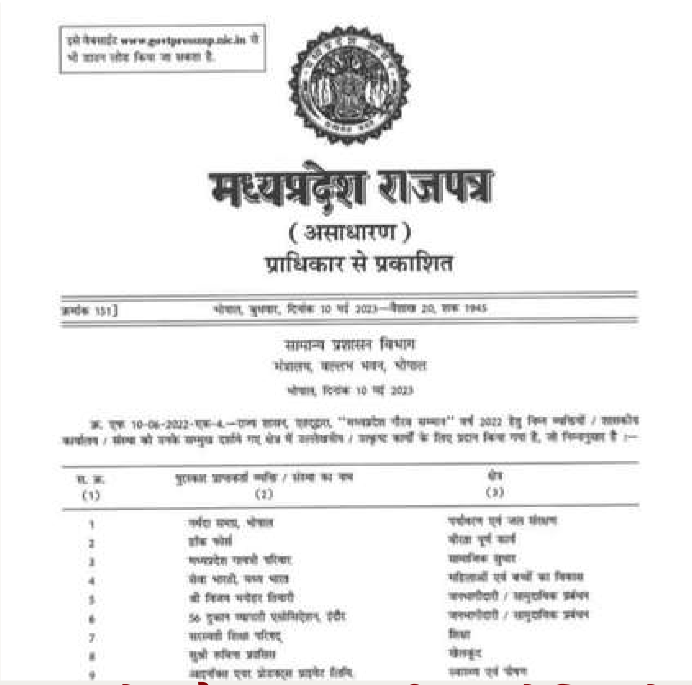

इसे वेबसाइट www.govtpressmp.nic.in से भी डाउन लोड किया जा सकता है।

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 151] भोपाल, बुधवार, दिनांक 10 मई 2023—वैशाख 20, शक 1945

सामान्य प्रशासन विभाग

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 मई 2023

मध्यप्रदेश गौरव सम्मान वर्ष 2022 में शिक्षा के क्षेत्र में विद्या भारती के द्वारा संचालित संस्थान सरस्वती शिक्षा परिषद को प्राप्त हुआ।

पूर्व छात्र डॉ.ज्वाला प्रसाद बने गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक

बीवीएन सीबीएसई स्कूल प्रिंसिपल- सचिव-प्रबंधक वर्कशॉप केरल

भारतीय विद्यानिकेतन केरल प्रान्त प्रतिनिधि सभा का आयोजन 13 व 14 मई को चालकुडी व्यास विद्यानिकेतन केंद्रीय विद्यालय में किया गया।

गुजरात में आचार्य प्रशिक्षण वर्ग

विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान की राष्ट्रीय प्रबंधकारिणी बैठक शिमला, हिमाचल प्रदेश में 19 मई 2023 को सम्पन्न।

सरस्वती शिशु मंदिर (10+2) पक्कीबाग, गोरखपुर के पूर्व छात्र अक्षय सिंह का रक्षा मंत्रालय में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के पद पर हुआ चयन।

गाजियाबाद में छात्रों का स्वर्णप्राशन और मातृ उदबोधन के साथ संपन्न हुई प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला

इंस्पायर अवार्ड के लिए विद्या भारती के छात्र का चयन

बस्सी | श्री बलराम उच्च माध्यमिक आदर्श प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विद्या मंदिर बस्सी के छात्र प्रदीप का राज्य स्तर पर इंस्पायर अवार्ड के लिए चयन हुआ।

सर्वहितकारी विद्या मंदिर, मलेरकोटला के दसवीं कक्षा के छात्र गौतम गुप्ता को ISRO द्वारा आयोजित ‘युवा विज्ञानी कार्यक्रम’ में युवा वैज्ञानिक के रूप में चुना गया।

सिक्किम | माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत 'मन की बात' 100 एपिसोड के उपलक्ष्य मे दूरदर्शन केंद्र गान्तोक के आयोजन चर्चा कार्यक्रम मे विद्या भारती सिक्किम के पूर्व महामंत्री, वर्तमान मे प्राप्त कार्यकारिणी सदस्य एवं सरस्वती विद्या निकेतन, तादोग, गान्तोक के प्रशासन श्री विनोद कुमार अधिकारी का सार्थक चर्चा के लिए उपस्थिति।

हरियाणा | शिक्षा भारती विद्यालय रामनगर, रोहतक की छात्राओं ने 26 जनवरी 2023 गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में कर्तव्य पथ पर हरियाणवी नृत्य लोक कला प्रदर्शन किया एवं राष्ट्रपति भवन और अन्य जगहों पर भी अपने लोक नृत्य कला का प्रदर्शन किया। यह केवल विद्यालय परिवार को ही नहीं बल्कि पूरे प्रांत के लिए गौरवान्वित करने वाले पल रहे।

वैदिक गणित कार्यशाला

सिक्किम | 27 मई 2023 को सरस्वती विद्या निकेतन तादोग, गान्तोक में इस वर्ष से प्रान्त में वैदिक गणित का कार्य प्राथमिक स्तर पर प्रारम्भ किया गया। कुल 6 विद्यालयों में कार्यशाला किया गया। सहभागी 3 विद्यालयों से चयनित विद्यार्थी, आचार्य एवं अभिभावक तथा विशेष उपस्थिति- श्री प्रसन्न कुमार साहु, अखिल भारतीय सह-संयोजक, वैदिक गणित, श्री छुलटिम भोटिया, अध्यक्ष, विद्या भारती सिक्किम, सुश्री पवित्र दाहाल, अखिल भारतीय सह-मंत्री, श्री मोहन शर्मा, संयोजक, विद्या भारती सिक्किम, श्री दीपक मिश्र, वैदिक गणित प्रमुख, विद्या भारती सिक्किम की रही।

विद्या भारती पूर्व छात्र - यूपीएससी परीक्षा परिणाम 2022

नाम : कृतिका मिश्रा
स्कूल: बीएनएसडी शिक्षा निकेतन, कानपुर
परीक्षा परिणाम: प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में चयन (हिंदी)

कृतिका मिश्रा ने हिंदी मीडियम में देश में पहला स्थान प्राप्त किया है।

नाम : विकास गुप्ता
विद्यालय: अवधराज सिंह बघेल सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, विजयराघवगढ जिला कटनी, मध्य प्रदेश
परीक्षा परिणाम: प्रशासनिक सेवा में चयन

नाम : मुदिता शर्मा
विद्यालय: मीरा बाल मंदिर, मेड़ता राजस्थान
परीक्षा परिणाम: प्रशासनिक सेवा में चयन

नाम : शुभम् सिंह ठाकुर
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर, बीना, मध्य प्रदेश
परीक्षा परिणाम: प्रशासनिक सेवा में चयन (IPS में 466 वाँ स्थान)

नाम : आयुषी जैन
विद्यालय: आदर्श विद्या मंदिर, डग, राजस्थान
परीक्षा परिणाम: प्रशासनिक सेवा में चयन(IAS 2022 में 73 वाँ स्थान)

नाम : जयंत आशिया
विद्यालय: आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक आऊ,नोखड़ा, राजस्थान
परीक्षा परिणाम: प्रशासनिक सेवा में चयन (IAS 2022 में 388 वाँ स्थान)

नाम : अभिनव द्विवेदी
विद्यालय: श्री बाबा सरस्वती विद्या मंदिर, मथुरा, उत्तर प्रदेश
परीक्षा परिणाम: प्रशासनिक सेवा में चयन (IAS 2022 में 137 वाँ स्थान)

नाम : प्रतिक्षा प्रधान
विद्यालय: एसएसवीएम ब्रजविहार, भवानीपटना, ओडिशा
परीक्षा परिणाम: प्रशासनिक सेवा में चयन (AIR 2022-670 वाँ स्थान)

विद्या भारती पूर्व छात्र - यूपीएससी परीक्षा परिणाम 2022

नाम : जतिन पाराशर
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर गौशाला, गुना, मध्य प्रदेश
परीक्षा परिणाम: प्रशासनिक सेवा में चयन(605 वाँ स्थान)

नाम : उर्वशी सेंगर
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर बादलगढ़ किला गेट, ग्वालियर, मध्य प्रदेश
परीक्षा परिणाम: प्रशासनिक सेवा में चयन (474 वाँ स्थान)

नाम : विभोर भारद्वाज
विद्यालय: सूरजभान सरस्वती विद्या मंदिर इं.कॉ. शिकारपुर, बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश
परीक्षा परिणाम: प्रशासनिक सेवा में चयन

नाम : हरीश कुमार
विद्यालय: आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक, सुमेरपुर, राजस्थान
परीक्षा परिणाम: प्रशासनिक सेवा में चयन(IAS 2022 में 674 वाँ स्थान)

नाम : अविनाश कुमार
विद्यालय: श्री रानी सरस्वती विद्या मंदिर, फारबिसगंज, अररिया, बिहार
परीक्षा परिणाम: प्रशासनिक सेवा में चयन (IAS 2022 में 17 वाँ स्थान)

नाम : हिमांशु कुमार
विद्यालय: सरस्वती विद्या मंदिर चांदपुर, जिला बिजनौर, मेरठ, उत्तर प्रदेश
परीक्षा परिणाम: प्रशासनिक सेवा में चयन

नाम : राकेश मीणा
विद्यालय: आदर्श विद्या मंदिर सीसवाली, बारां, राजस्थान
परीक्षा परिणाम: प्रशासनिक सेवा में चयन

नाम : कुमार रजत
विद्यालय: राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर धनवाद झारखंड
परीक्षा परिणाम: प्रशासनिक सेवा में चयन(423वाँ स्थान)

विद्या भारती की उपलब्धियां - परीक्षा परिणाम 2022-23
विभिन्न राज्यों की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त छात्र

नाम : हृदम ठाकुरिया
राज्य का नाम : असम
विद्यालय: विद्या भारती से सम्बद्ध शंकरदेव शिशु निकेतन, ढेकियाजुली, असम
परीक्षा परिणाम: असम हाईस्कूल परीक्षा की प्रावीण्य सूची में **प्रथम स्थान**
अंक प्रतिशत: 99.33%

नाम : विश्वजीत भुइयां
राज्य का नाम : उड़ीसा
विद्यालय: सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, रामहरीनगर, उड़ीसा
परीक्षा परिणाम: ओडिशा हाईस्कूल परीक्षा की प्रावीण्य सूची में **प्रथम स्थान**
अंक प्रतिशत: 98.17%

नाम: शुभ छपरा
राज्य का नाम: उत्तर प्रदेश, कानपुर
विद्यालय: सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज चरखारी, कानपुर, उत्तर प्रदेश
परीक्षा परिणाम: उ.प्र. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परीक्षा की प्रावीण्य सूची में **प्रथम स्थान**
अंक प्रतिशत: 97.80%

नाम : गौरीशंकर नंदक
राज्य का नाम : उड़ीसा
विद्यालय: सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, गांधीमार्ग, अंगुल, उड़ीसा
परीक्षा परिणाम: ओडिशा हाईस्कूल परीक्षा की प्रावीण्य सूची में **प्रथम स्थान**
अंक प्रतिशत: 98.17%

नाम : आर्ची महरिया
राज्य का नाम : झारखंड, धनबाद
विद्यालय: राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर, धनबाद
परीक्षा परिणाम: झारखंड हाईस्कूल परीक्षा की प्रावीण्य सूची में **प्रथम स्थान**
अंक प्रतिशत: 98.8%

नाम : कड़ी राहुल
राज्य का नाम : उड़ीसा
विद्यालय: सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, नीलकंठनगर, ब्रह्मपुर, उड़ीसा
परीक्षा परिणाम: उड़ीसा हायर सेकेंडरी स्कूल परीक्षा की प्रावीण्य सूची में **प्रथम स्थान**
अंक प्रतिशत: 94.83% (वाणिज्य)

नाम : पल्लबिनी बिसोयी
राज्य का नाम : उड़ीसा
विद्यालय: सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, नीलकंठनगर, ब्रह्मपुर, उड़ीसा
परीक्षा परिणाम: उड़ीसा हायर सेकेंडरी स्कूल परीक्षा की प्रावीण्य सूची में **प्रथम स्थान**
अंक प्रतिशत: 94.17% (विज्ञान)

नाम : शुभम दास
राज्य का नाम : उड़ीसा
विद्यालय: सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, नीलकंठनगर, ब्रह्मपुर, उड़ीसा
परीक्षा परिणाम: उड़ीसा हायर सेकेंडरी स्कूल परीक्षा की प्रावीण्य सूची में **प्रथम स्थान**
अंक प्रतिशत: 94.17% (विज्ञान)

नाम : तनु चौहान
राज्य का नाम : उत्तर प्रदेश , जसपुर
विद्यालय: आर एस च ,सरस्वती विद्या मंदिर, जसपुर, उत्तर प्रदेश
परीक्षा परिणाम: उत्तर प्रदेश हायर सेकेंडरी स्कूल परीक्षा की प्रावीण्य सूची में **प्रथम स्थान**
अंक प्रतिशत: 97.6% (विज्ञान)

विद्या भारती - परीक्षा परिणाम 2022-23

राज्य	दसवीं कक्षा परिणाम (प्रदेश प्रवीण सूची में)
उत्तर प्रदेश	21 छात्र
ओडिशा	26 छात्र
झारखंड	06 छात्र
उत्तराखंड	31 छात्र
छत्तीसगढ़	05 छात्र
मध्य प्रदेश	22 छात्र
हिमाचल	02 छात्र
बिहार	35 छात्र
हरियाणा	02 छात्र
पंजाब	04 छात्र
असम	09 छात्र

राज्य	बारहवीं कक्षा परिणाम (प्रदेश प्रवीण सूची में)
उत्तर प्रदेश	53 छात्र
ओडिशा	40 छात्र
झारखंड	06 छात्र
उत्तराखंड	09 छात्र
छत्तीसगढ़	02 छात्र
मध्य प्रदेश	15 छात्र
मालवा	03 छात्र
महाकौशल	20 छात्र

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

प्रज्ञा सदन

जी .एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर,
नेहरू नगर, महात्मा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली - 110065

@VidyaBharatiIN

www.vidyabharti.net
www.vidyabharatisamvad.com

vbabss@yahoo.com vbsamvad@gmail.com

91 - 11 -29840013, 29840126, 20886126

सेवा में ,